शिवजयंती बाप तो अपनी नहीं मनावेंगे।बच्चे ही मनावेंगे।अब बच्चा तो ब्रह्मा भी है।डायरैक्शन इनको भी देना पड़ता है।बाकी शिवबाबा थोड़े ही डायरैक्शन देंगे कि हमारी शिव जयंती ऐसे मनाओ।ब्रह्मा हो गया तुम्हारा मुख्य भाई।बाप भी, भाई भी है ना।पढ़ते हैं, भाई–बहन सब पढ़ते हैं।शिवबाबा पढ़ाते हैं।फिर भी शिवबाबा दो–तीन रोज़ से शिवजयंती के लिए समझा रहे हैं।गवर्मेंट को भी समझाकर लिखना है।शिवबाबा जो सब आत्माओं का बाप है वो भारत को हर 5000वर्ष हेवन वा डीटी राज्य बनाते हैं।बना रहे हैं।जिसके लिए यह विनाश हो रहा है।यह वो ही महाभारत लड़ाई है।हम पहले से आपको इत्तलाह (सूचित) कर रहे हैं।शिवबाबा प्रजापिता ब्रह्मा द्वारा आदि सनातन देवी देवता धर्म की स्थापना कर रहे हैं।बाकी अनेक धर्मों के विनाश अर्थ यह सामने महाभारी लड़ाई खड़ी है।भारतवासियों का तो कल्प2 बाप से वर्सा लेने का हक है।जब तक ब्रह्माकुमार कुमारियां ना बनें शिवबाबा से वर्सा कैसे मिले?बाबा तो डायरैक्शन्स देते हैं।कोई करे भी ना।बाबा प्रदर्शनी और सर्विस कमेटी को राय दे रहे हैं।जो–जो सर्विसेबुल बच्चे हैं वो अपनी राय भी भेज सकते हैं।कमेटी को, गवर्मेंट को लिखना चाहिए कि शिव जयंती तो बहुत धूम–धाम से मनानी चाहिए।इनकी हालीडे तो बहुत होनी चाहिए।जो सर्व का पतित–पावन भी है, सद्गति दाता भी है।भारत को सहज राजयोग भी सिखा रहे हैं।कल्प2 राजाई का वर्सा देते हैं।उनकी शिव जयंती का ना मनाना यह तो सबसे बड़ी ग्लानी है।ऐसे2 लिखना चाहिए।टाइम तो बहुत पड़ा है।सर्विस का जिनको शौक है वो लिखकर देहली में प्रदर्शनी कमेटी को भेज दें।फिर वो बाबा पास भेज देंगे पास कराने।भल गवर्मेंट को लिखो इस एक्सप्लेनेशन अनुसार शिव जयंती भारतवासियों को मनानी चाहिए।हम राय देते हैं।हम कोई भूख हड़ताल ,पिकेटिंग आदि नहीं करते हैं।राय देते हैं।अखबारों में भी डालना है।शिवबाबा जो सबका दुःखहर्ता–सुखकर्ता है उनका तो दिन सब दुनियां वालों को मनाना चाहिए ; परंतु ना आत्मा को ,ना बाप को जानते हैं।इसलिए ही तो निधण के बन पड़े हैं।इसमें डरने की कोई बात नहीं है।हम राय देते हैं।ब्रह्माकुमार कुमारियां शिवबाबा के बच्चे भी ठहरे ,पोत्रे भी ठहरे।ऐसे2 लिखना चाहिए और उनके साथ2 ओपीनियन का किताब भी छप जाना चाहिए ;परंतु हमारे पास बच्चों का आपस में मतभेद भी बहुत है।इतना हार्ड वर्क करते नहीं हैं।माया की ग्रहचारी बैठती है।देहअभिमान में ग्रहचारी बहुत आती है कमाई में।एकदम नपुंसक बना देती है।इसमें देही अभिमानी बनना पड़े।शिवजयंती तो बहुत अच्छी रीत मनानी है।बाबा भी मुरली में तो रोज2 चलाते ही रहेंगे।समझाते रहेंगे ऐसे2 लिखो।अखबारों में भी डालना है।यह भी प्वाइंट लिखना है कि इस समय कौरव सम्प्रदाय जिसको कांग्रेस ,कुरू भी कुम्भकरण की नींद में सोये पड़े हैं।जब विनाश होगा तब नींद से जागेंगे।हम कल्प2 इत्तलाह देते हैं।होगा फिर भी वो ही जो कल्प पहले हुआ है।कुम्भरण की नींद में सोये पड़े हो और भंभोर को आग लग जावेगी।हम प्रदर्शनी द्वारा भी जगा रहे हैं ;परंतु जैसे कल्प पहले सोये पड़े थे और भंभोर को आग लग गई थी वैसे ही फिर भी होगा।ऐसे2 लिखना चाहिए।बच्चे भी बहुत हैं जो घोर नींद में सोये हुये हैं।बाबा सीढ़ी के लिए कब से कहते रहते हैं छपाने लिए।कोई करते नहीं हैं।एक–दो के उपर ठिक्कर ठोंकते रहते हैं।माया से थप्पड़ खाते रहते हैं।लड़ाई है ना।महारथी से माया और ही पहलवान होकर लड़ेगी।घोड़ेसवार से घोड़ेसवार, प्यादे से प्यादा होकर लड़ेगी।महारथियों को तो छोड़ती नहीं है।अच्छी ही देहअभिमान में ले आती है।बाप बच्चों को जगाते ही रहते हैं।देहअभिमान की बड़े ते बड़ी बीमारी है।देहअभिमान में आना माना रावण बनना है।माया बड़ी जबरदस्त है।बाप कहते हैं जितना मैं शक्तिवान हूँ उतना ही फिर रावण भी शक्तिवान है।ड्रामाअनुसार ही इनकी भी शक्ति हैं।मेरी भी शक्ति है।मैं विश्व की बादशाही देता हूँ।माया फिर नाक से पकड़कर पूरा बंदर बना देती है।मैं जी.ओ.डी बनाता हूँ, वो डी.ओ.जी बना देती है।इतना जबरदस्त रावण है जिसको कोई जानते ही नहीं हैं।रावण जलाते हैं ;परंतु समझते कुछ भी नहीं हैं।पीस प्राइज़ लेते

रहते हैं।सब जंगल के ऐप्स हैं।भारत अभी कांटों का जंगल है।फूलों का बगीचा था।सतयुग है फूलों का बगीचा।कलियुग है कांटों का जंगल।बाप को ,गॉड फादर को नहीं जानत हैं तो जंगली ठहरे ना।आत्मा क्या चीज है वो भी नहीं जानते हैं।हम सब ब्रदर्स हैं तो फादर कहां?कहते भी हैं गॉड फादर।तो वो फादर किसका ठहरा?ना अपने को ,ना फादर को जानते हैं।गाली देते रहते हैं।सर्वव्यापी कहते हैं।कहते हैं कुत्ते, बिल्ले में है।बाप को गाली देते–देते तो खुद ही भिखारी बन पड़े हैं।यह गीता हो गई ना।मैं हरे जैसा बनाता हूँ।माया तुच्छ बुद्धि बना देती है।यह सब लिखना चाहिए।भगवानोवाच्य।भारतवासी गाली तो सबको देते हैं ना।कृष्ण को भी गाली दी है कि भगाते हैं।बाप भी कहते हैं यह बन्दर हैं।हमको गाली देते रहते हैं।राम सीता की भी ग्लानी, कृष्ण की भी ग्लानी।तो मैड चैप्स ठहरे न।रावण ने मैड चैप्स बना दिया है।इसलिए अनाज आदि कुछ भी मिलता नहीं है।यह बेहद का बाप बच्चों को समझा रहे हैं।मुझे सर्वव्यापी कह दिया है।कितने जंगली जनावर हैं आसुरी सम्प्रदाय।तुच्छ बुद्धि बन गये हैं।सूरत मनुष्य की सीरत एप्स जैसी है।यह तो बात ठीक है ना?अच्छा ,बच्चों को गुडनाइट।**16.1.67प्रातःक्लास–**अब देखना है कि कितना ..... मचाते हैं।ट्रांसलाइट के चित्र छोटे भी हों जो सबको मिल जायें।तुम्हारी है बिल्कुल नई बातें।कोई भी समझ नहीं सकते हैं।अखबारों में जरूर डालना चाहिए।आवाज़ करना चाहिए।सेंटर्स खोलने वाले भी ऐसे चाहिए।ललूं पंजू थोड़े ही खोल सकेंगे।अभी तो बच्चों को ही पूरा नशा नहीं चढ़ा हुआ है।नम्बरवार पुरुषार्थ अनुसार जितना नशा चढ़ा हुआ है काम करते रहते हैं।कोई भी राय देनी है तो प्रदर्शनी कमेटी को भेज दें।स्टैम्स बनाने लिए भी बाबा कह रहे हैं।आगे बनाये थे।फिर छोड़ दिया।फिर नये सिर मेहनत करनी पड़े।समझना है इतनी ढेर ब्रह्माकुमार कुमारियां हैं ना।अभी ब्रह्मा का नाम निकाल कोई का भी नाम डालो।राधाकृष्णन का नाम डालो।अच्छा, फिर ब्रह्माकुमार कुमारियां कहां से आवेंगी?कोई तो ब्रह्मा चाहिए ना जो मुखवंशावली ब्राह्मण हों।राधाकृष्णन को बिठाओ ;परंतु कोई माने भी तब ना।यहां तो ढेर ब्रह्माकुमार कुमारियां हैं।सर्विस कर रहे हैं।बंदरों को समझाने के लिए कितनी मेहनत करनी पड़ती है।अब देहली में भी लिखा है कि दो स्टाल लो।खर्चा तो होगा।उसका हर्जा नहीं है।आगे चलकर बहुत समझेंगे।खर्चा तो करना ही पड़ता है।देखें वहां से भी कोई निकलता है?चित्र तो कितने क्लीयर हैं।रावणराज्य का।भ्रष्टाचारी, बन्दर बुद्धि मनुष्य।यह भी लिखना चाहिए।इसमें डरने की कोई बात ही नहीं है।क्या करेंगे?हम कोई क्रिमिनल काम तो नहीं कर रहे हैं;परंतु डरपोक भी बहुत हैं ना।ऐम ऑब्जेक्ट को भी देखने से कितनी खुशी होती है।ओमशांति। **11.1.67रात्रीक्लास**–84जन्मों की कहानी मोस्ट.....है।यह सदैव याद रहे तो अंदर में बड़ी खुशी रहे।इसलिए ही गाया हुआ है अतीन्द्रिय सुख गोप गोपियों से पूछो।तुम स्वर्ग के मालिक बनते हो।हम सो ब्राह्मण सो देवता, अब फिर बाबा के पास जाना है।पावन बनना है।यह कहानी बैठ याद करें तो बहुत पास हो जावें ;परंतु करते ही नहीं है।पतित नहीं बनना है।कर्मइन्द्रियों से कोई भी विकर्म नहीं करना है।उसकी फिर सज़ा बहुत कड़ी है।बाकी ज्ञान तो बहुत मीठा है।घर में भी बड़ी युक्ति से रहना होता है।तो फिर कोई भी नाराज़ नहीं होगा।यह कंसपुरी है।कंस एक–दो को कोस करते हैं।बाप आर्डिनेंस निकालते हैं।कोई कोस मत करो।काम कटारी मत चलाओ।बाकी कोई हंगामा थोडे ही करते हें।बाकी (वह) इतना गउ कोस आदि पर हंगामा करते हैं।अब इसमें तो गवर्मेंट को करोड़ों का व्यापार चलता है।कितने बिचारे भूख मरते रहते हैं।हम तो हैं राजयोगी साधारण।ना उंचा खाना, ना ही कम।अच्छी तरह सब मिलता रहता है।तुम हो मोस्ट बिलवेड चिल्ड्रेन।बाप कहते हैं मैं आया हूँ बादशाही देने।मैं थोड़े ही लड़ना–झगड़ना पसंद करुंगा।अवस्था उंच बनाते रहना है।मौत कोई भी समय आ जावे कुछ कह नहीं सकते हैं।याद से तमोप्रधान से सतोप्रधान बनते जाओ।इसको योगाग्नि कहा जाता है।जिससे पाप भस्म हो जावें।अच्छा, गुडनाइट।